INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: IX	Department: Hindi	Date of submission: 24.05.2020
Worksheet No. 3	Topic Comprehensions- MCQ	Note: Pl. file in portfolio

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए : - 5

प्रार्थना तब तक ही प्रार्थना हो सकती है, जब तक इसके द्वारा कुछ माँगा न जा रहा हो, कुछ चाहत न की जा रही हो। यह प्रार्थना रास्ते में फेंके गए केले के छिलके को एक ओर करके भी की जा सकती है तथा किसी भरे हुए वाहन में बीमार वृद्ध अथवा गर्भवती महिला को अपनी सीट देकर भी की जा सकती है। यह प्रार्थना रास्ते में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाकर तथा रक्तदान करके भी की जा सकती है। सच्ची प्रार्थना के लिए किसी वाद्ययंत्र अथवा लंबे-चौड़े तामझाम की उतनी जरुरत नहीं होती जितनी जरूरत उस सच्ची भावना की है जो अकाल पीड़ित गाँव में वर्षा के लिए होने वाले यज्ञ में जा रहे एक बालक को छतरी ले जाते हुए महसूस हो रही थी। किसी ने उससे ऐसे मौसम में छतरी ले जाने की वजह पूछी। उस निश्छल पवित्र हृदय मासूम बालक ने उत्तर दिया था-"मैं वर्षा के लिए यज्ञ में भाग लेने जा रहा हूँ। आशा है कि लौटते समय इस छतरी की जरूरत भी पड़े" यकीन मानिए ऐसी पवित्र प्रार्थना को ईश्वर सबसे पहले सुनते हैं। पर हममें से कितने लोग ऐसी प्रार्थना करना चाहते हैं?

(क) सच्ची प्रार्थना के लिए किसकी आवश्यकता है?

(1) वाद्ययंत्र की। (2) भक्तिगीत की।
(3) प्रार्थना गीत की। (4) सच्ची भावना की।

(ख) यज्ञ क्यों किया जा रहा था?

(1) बहुत बारिश को नियंत्रित करने के लिए
(2) बारिश के लिए प्रार्थना रूप में
(3) छतरियों की माँग बढ़ाने के लिए
(4) सूखा करने के लिए

(ग) 'लौटते समय इस छतरी की जरूरत पड़े।' बालक ने ऐसा क्यों कहा?

(1) अपनी समझदारी दिखाने के लिए
(2) क्योंकि वह अपनी राजसी छतरी दिखाना चाहता था।
(3) भीगने से लोगों को बचाने के लिए
(4) बारिश होने की आशा में

(घ) ईश्वर सबसे पहले क्या सुनते हैं?

(1) बालक की पुकार (2) पीछे खड़े लोगों की प्रार्थना
(3) प्रार्थना गीत (4) पवित्र प्रार्थना

(ङ) बालक के लिए किन-किन विशेषण शब्दों का प्रयोग किया गया है?

(1) निश्छल (2) पवित्र हृदय
(3) मासूम (4) उपर्युक्त सभी

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए : - 5

प्रिय गुरुजी

सभी व्यक्ति न्यायप्रिय नहीं होते और ना ही सच बोलते हैं। यह तो मेरा लड़का कभी-न-कभी सीख ही लेगा। पर उसे यह अवश्य सिखाएँ कि अगर दुनिया में बदमाश लोग होते हैं, तो अच्छे, नेक इंसान भी होते हैं। उसे यह भी सिखाएँ कि अगर दुश्मन होते हैं, तो दोस्त भी होते हैं। मुझे पता है कि इसमें समय लगेगा। परंतु हो सके तो उसे यह जरूर सिखाएँ कि मेहनत से कमाया एक पैसा भी, हराम में मिली नोटों की गड्डी से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। उसे हारना सिखाएँ और जीत में खुश होना भी सिखाएँ। हो सके तो उसे राग-द्वेष से दूर रखें और उसे अपनी मुसीबतों को हँसकर टालना सिखाएँ। स्कूल में उसे सिखाएँ कि नकल करके पास होने से तो फेल होना बेहतर है। चाहे सभी लोग उसे गलत कहें, परंतु वह अपने विचारों में पक्का विश्वास रखे और उन पर अडिग रहे। वह भले लोगों के साथ नेक व्यवहार करे और बदमाशों को करारा सबक सिखाए। जब सब लोग भेड़ों जैसे एक रास्ते पर चल रहे हों, तो उसमें भीड़ से अलग, अपना नया मार्ग प्रशस्त करने की हिम्मत हो। उसे सिखाएँ कि वह हर एक की बात को धैर्यपूर्वक सुने, फिर उसे सत्य की कसौटी पर कसे और केवल अच्छाई को ही ग्रहण करें। अगर हो सके तो उसे दुख में भी हँसने की सीख दें। उसे समझाएँ कि अगर रोना भी पड़े, तो उसमें कोई शर्म की बात नहीं है।

मैंने अपने पत्र में बहुत कुछ लिखा है। देखें इसमें से क्या करना संभव है। वैसे मेरा बेटा एक बहुत प्यारा और भला लड़का है।

(क) आपके विचार से यह पत्र किसने किसे लिखा है?

(1) विद्यार्थी ने अपने अध्यापक को

(2) विद्यार्थियों ने पिता के अध्यापक को

(3) पिता ने अपने पुत्र के अध्यापक को

(4) चेले ने अपने गुरु जी को

(ख) पिता ने पुत्र को क्या नहीं सिखाने को कहा है :

(1) सभी व्यक्ति न्यायप्रिय होते हैं।

(2) दुनिया में भले-बुरे लोग होते हैं।

(3) कुछ दुश्मन होते हैं तो कुछ दोस्त भी।

(4) मुसीबतों को हँसकर टालना चाहिए।

(ग) धन के बारे में क्या सिखाने को कहा गया है?

(1) नोटों की गड्डियाँ मूल्यवान होती हैं।

(2) जैसे भी हो धन कमाना जरूरी है।

(3) परिश्रम से कमाया धन ही मूल्यवान होता है।

(4) धन को बदमाशों से बचाकर रखना चाहिए।

(घ) जब – सब लोग एक ही राह पर चल रहे हों तो :

(1) हमें भी उनके पीछे चलना चाहिए।

(2) हमें सबसे आगे रहना चाहिए।

(3) हमें उनके साथ नहीं चलना चाहिए।

(4) भीड़ से अलग अपना रास्ता बनाना चाहिए।

(ङ) गद्यांश का शीर्षक हो सकता है :

(1) एक पत्र (2) एक अनुरोध

(3) मेरा बेटा (4) परिश्रम और धन

Worksheet No. 3 /ISWK/ Dept. of Hindi/Prepared by- Sushil Sharma/ 13.05.2020

-- 2020 ----------------------------------